जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

24 अक्टूबर 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने आधुनिक भाषा में दो सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी) ने विश्वविद्यालय के अरबी, अंग्रेज़ी, हिंदी, संस्कृत, फ़ारसी, उर्दू जैसे कई भाषाई विभागों से मिलकर, आधुनिक भाषा पर दो हफ्ते का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स शुरू किया है। 23 अक्टूबर, 2020 को शुरू हुए इस कोर्स के उद्घाटन सत्र में देश के विभिन्न हिस्सों से अरबी, अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, फारसी, संस्कृत, बोडो, असमिया, तमिल, मलयालम जैसी भाषाओं के तकरीबन 100 प्रतिनिधि शामिल हुए।

यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक, प्रोफेसर अनीसुर रहमान ने उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि, जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर, मुख्य वक्ता पद्मश्री शमशुर रहमान फारुकी, कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो मुहम्मद असदुद्दीन, भाषाई विभागों के प्रमुखों और सभी गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया।

प्रो अख़्तर ने अपने उद्घाटन भाषण में भाषा रिफ्रेशर कोर्स के महत्व पर रोशनी डाली और छात्रों के करियर को आकार देने तथा देश के शैक्षणिक संस्थानों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

मशहूर शायर, आलोचक और मुख्य वक्ता श्री शमशुर रहमान फारुकी ने जामिया के विकास और प्रगति में कुलपति, प्रो नजमा अख्तर की डाईनैमिक भूमिका की सराहना की। अपने संबोधन में, उन्होंने 21 वीं शताब्दी में भाषाओं के उन पहलुओं का ज़िक्र किया जिनसे भाषा और प्रखर हो रही है।

कार्यक्रम के समन्वयकों, अरबी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ फौज़ान अहमद और संस्कृत विभाग के असिस्टन्ट प्रोफेसर डॉ अभय कुमार शांडिल्य ने पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।

फैकल्टी ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़ एंड लैंगग्विजेस के डीन प्रो मुहम्मद असदुद्दीन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री फारुकी की गहरी और स्पष्ट बातों की सराहना की और भाषाओं की अंतःविषयता की ज़रूरत तथा प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला।

इस ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन सत्र का समापन, डॉ एस. अज़रा खुर्शीद वोट ऑफ़ थैंक्स के साथ हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक